2.5 TMC which may be adjusted from the releases due in April and May. The timing of such releases is very critical.

The then Prime Minister conveyed the main recommendations of the Expert Group on 2.2.1996 to Government of Karnataka with a copy to other Cauvery Basin States.

Linking of Ganga and Cauvery

1857. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the National Water Development Agency has finalised a prefeasibility report for linking of the Ganga with Cauvery through various water transfer links;

(b) if so, the details thereof alongwith follow up action taken/proposed by the State Governments and Union Authorities; and

(c) details of action plan formulated by the National Commission for Integrated Water Resources Development to mitigate the damage and losses caused by the Recurrent floods and droughts?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI SOMPAL): (a) Yes, Sir.

(b) After completion of feasibility reports, agreements among concerned States will have to be reached and Detailed Project Reports (DPR) will have to be prepared and approved before considering implementation of these proposals.

(c) The National Commission has not submitted its report.

मालवा क्षेत्र में भूजल स्तर में गिरावट

1858. **श्री राधाकिशन मालवीय:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है और संकटपूर्ण स्थिति निर्मित हो रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई अध्ययन कराया है;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ङ) भूजल स्तर में गिरावट की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) से (घ) केन्द्रीय भूजल बोर्ड ने मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में ब्लाक स्तर पर भूजल स्तर की स्थिति का आकलन किया है। उनके विश्लेषण से यह पता चलता है कि कुछ क्षेत्रों में भूजल स्तर में 4 मीटर से अधिक की गिरावट आयी है। इसका विवरण संलग्न विवरण में दिया गया है। **(नीचे देखिये)**

(ङ) इस क्षेत्र में भूजल स्तर की गिरावट को रोकने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:—

(i) केन्द्रीय भूजल बोर्ड ने भूजल स्तर में होने वाली गिरावट को रोकने के लिए भूजल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए मंदसोर ब्लाक को अभिज्ञात किया है।

(ii) केन्द्रीय भूजल बोर्ड भी राज्य के जल संसाधन विभाग को पुनर्भरण स्कीमें तैयार करने में तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रहा है।

(iii) मध्य प्रदेश सरकार के जल संसाधन विभाग द्वारा शाजापुर और गुना जिलों में परकोलेशन टैंकों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

(iv) राज्य सरकार द्वारा दो उप सतही डाइक का निर्माण किया गया है जिसमें एक राजगढ़ और देवास जिले के लिए है।